उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वारम्
पी0जी0 डिप्लोमा ज्योतिषशास्त्र
प्रथम–सत्रम्

प्रथमपत्रम्–

ज्योतिष शास्त्र का परिचय — **80+20 अंकाः**
ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता
ज्योतिष एवं विज्ञान
ज्योतिष एवं कर्म
ज्योतिष शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास

द्वितीयपत्रम्–

सौर परिवार का सामान्य परिचय — **80+20 अंकाः**
पञ्चाङ्ग परिचय
नक्षत्र एवं राशिचक्र परिचय
समयज्ञान, मानक, स्थानीय
सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान
इष्टकाल, भयात, भभोग

तृतीयपत्रम्–

लग्नसाधन — **80+20 अंकाः**
स्पष्ट ग्रह साधन
ससन्धि द्वादश भाव साधन
चलित चक्र निर्माण
षड्वर्ग साधन

चतुर्थपत्रम्–

ग्रहों का स्वरूप — **80+20 अंकाः**
ग्रहों के उच्च–नीच एवं मूलत्रिकोण राशियाँ
ग्रहदृष्टि विचार
ग्रहमैत्री विचार (तात्कालिक–नैसर्गिक–एवं पञ्चधा)
राशियों के गुणधर्म एवं स्वामी
चर एवं स्थिर कारक ग्रह

पञ्चमपत्रम्–

भावविचार — **80+20 अंकाः**
भावसंज्ञा
लघुपाराशरी के अनुसार भाव फलविचार
आयुविचार
राजयोगविचार
नीचभङ्ग राजयोग विचार
ग्रहों के योग कारकत्वविचार

पी0जी0 डिप्लोमा ज्योतिषशास्त्र

द्वितीयसत्र

प्रथमपत्रम्–

कालपुरूष के अंग विचार — **– 80+20 अंकाः**
ग्रहों के आत्मादि एवं राजादि विभाग विचार
बालारिष्ट योगविचार
जातक के विविध योग –
अन्ध, काण, खञ्ज, वामन, मूक, वधिर, क्लीव, श्रीनाथयोग, गजकेसरीयोग,
पञ्चमहापुरूष योग, अमला योग,
सूर्य एवं चन्द्रकृत शुभाशुभयोग

द्वितीयपत्रम्–द्वादशभाव फलविचार — **– 80+20 अंकाः**
गोचर विचार

तृतीयपत्रम्–विविध दशा–अन्तर्दशा साधन एवं फलविचार — **– 80+20 अंकाः**
विंशोत्तरी
अष्टोत्तरी
योगिनी
वर्ष लग्नसाधन, ताजिक दृष्टि विचार, पञ्चाधिकारी एवं वर्षेश निर्णय,
त्रिपताकी चक्र, मुद्दा दशा साधन

चतुर्थपत्रम्–मेलापक विचार — **– 80+20 अंकाः**
(ग्रह मेलापक एवं नक्षत्र मेलापक के आधार पर अष्टकूट विचार)
मुहूर्त विचार
षोडश संस्कार एवं यात्रा, गृहारम्भ, गृहप्रवेश, क्रय–विक्रयादि मुहूर्त्तविचार

पञ्चमपत्रम्– प्रायोगिक — **– 80**
मौखिक — **–20**

सहायक ग्रन्थ–

भारतीय ज्योतिष	–	डॉ0 नेमिचन्द्र शास्त्री
लघु पाराशरी	–	महर्षि पराशर
लघुजातक	–	आचार्य वाराहमिहिर
ताजिकनीलकण्ठी	–	आचार्य नीलकण्ठ
मुहूर्तचिन्तामणि	–	आचार्य रामदैवज्ञ
जातकालंकार	–	आचार्य गणेश दैवज्ञ
ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार	–	डॉ0 देवी प्रसाद त्रिपाठी
केरल प्रश्न संग्रह	–	टीकाकारः प्रो0 सच्चिदानन्द मिश्र
ज्योतिष विज्ञान निर्झरी	–	डॉ0 विनोद शास्त्री
ज्योतिष पीयूष	–	म0म0पं0 कल्याणदत्त शर्मा